श्री अन्न समाचार पत्र

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 260 जून, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री के द्वारा श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एवं एडवांस्ड फेनोमिक्स कॉम्प्लेक्स की आधारशिला

श्री अन्न अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने श्री अन्न अनुसंधान और विकास को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने हेतु 2023 के दौरान श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण के लिए ₹ 250 करोड़ स्वीकृत किए और 18 मार्च 2023 को भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नत किया गया। श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय कृषि और किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री ने 9 जून 2025 को

भाश्रीअनुसं में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र और उन्नत फेनोमिक्स कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखी। इस अवसर पर श्री भागीरथ चौधरी, माननीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री; श्री तुम्मुला नागेश्वर राव, कृषि, सहकारिता और कपड़ा मंत्री, तेलंगाना; श्री के विश्वेश्वर रेड्डी, सांसद; डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, डॉ. डी के यादव, उप महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप और हैदराबाद स्थित भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। माननीय मंत्रियों ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के समग्र दृष्टिकोण की सराहना की तथा विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन और किसान समृद्धि के स्तंभ के रूप में श्री अन्न को मुख्यधारा में लाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

माननीय कृषि मंत्री ने नवोद्यमियों एवं किसान उत्पादक संगठनों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं से प्राप्त सहायता के बारे में जानकारी ली। किउसं प्रतिनिधियों ने कच्चे अनाज बेचने से लेकर विशिष्ट शहरी और ऑनलाइन बाजारों के लिए ब्रांडेड, पैक किए हुए उत्पाद शुरू करने तक की अपनी परिवर्तनकारी यात्रा साझा की। श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने में किउसं के योगदान की सराहना की और उत्पाद विकास, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, पैकिंग, ब्रांडिंग और श्री अन्न विपणन हेतु किउसं का मार्गदर्शन करने के लिए भाश्रीअनुसं के प्रयासों की सराहना की।

तत्पश्चात, माननीय कृषि मंत्री ने प्रेस और मीडिया के साथ चर्चा की तथा श्री अन्न का महत्व बताया और कहा कि श्री अन्न सुपरफूड है जो पोषक तत्वों तक आसान पहुंच प्रदान करते हैं तथा मृदा स्वास्थ्य के लिए भी वरदान है।

माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार का भाश्रीअनुसं प्रदर्शनी स्टॉल का दौरा

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री, श्री भागीरथ चौधरी, माननीय राज्य कृषि मंत्री, भारत सरकार और अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम मंडल के मंगलपल्ली गांव में 9 जून, 2025 को विकासशील कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) के अवसर पर भाश्रीअनुसं के द्वारा स्थापित श्री अन्न स्टाल का दौरा किया। डॉ सी तारा सत्यवती, निदेशक और डॉ राजेंद्र आर चापके, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) ने "उन्नत श्री अन्न उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों" पर प्रगति के बारे में सविस्तार बताया। सभी आगंतुकों ने श्री अन्न विकास के संबंध में प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरे के बाद किसानों और अन्य प्रतिभागियों के साथ चर्चा हुई जहां माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री ने उन्हें बेहतर खेती के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद दल का विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) कार्यक्रम

भाश्रीअनुसं के कुल 16 वैज्ञानिकों के 5 दलों ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों पर भाकृअनुप-अटारी हैदराबाद के साथ मिलकर 28 मई से 12 जून, 2025 के दौरान विकासशील कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) कार्यक्रम की गतिविधियों का सक्रिय रूप से संचालन किया। इस दौरान, वैज्ञानिकों ने कृषि विज्ञान केंद्रों के संबंधित जिला नोडल अधिकारियों के कार्यक्रमों के अनुसार किसानों से बातचीत की। सभी 5 दलों ने मिलकर 284 गांवों (तेलंगाना में 71 और आंध्र प्रदेश में 213) का दौरा किया। प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत दल और दौरा किए गए गांवों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है।

क्र.सं.	वैज्ञानिक का नाम	कृविकें को आवंटित	गांवों की संख्या
1.	डॉ. जी श्याम प्रसाद	कडपा II (वोंटीपेंटा), आंध्र प्रदेश (दल-1)	45
2.	डॉ. ए वी उमाकांत		
3.	डॉ. बी सुब्बारायुडू		
4.	डॉ. सी अरुणा	मेडक 1 (डीडीएस), संगारेड्डी , तेलंगाना (दल-II)	45
5.	श्री के श्रीनिवास बाबू		
6.	डॉ. डी सेवानायक		
7.	डॉ. पी राजेंद्र कुमार		
8.	डॉ. एन कन्न बाबू	वरंगल 2 (ममनूर), तेलंगाना (दल-III)	26
9.	डॉ. पी संजना रेड्डी		
10.	डॉ. सूगण्ण	कर्नूल (यागंतीपल्ली), आंध्र प्रदेश (दल-IV)	135
11.	डॉ. वेंकटेश्वर्लु रोंडा		
12.	डॉ. ए श्रीनिवास		
13.	डॉ. संगप्पा	कर्नूल II (बनवासी), आंध्र प्रदेश (दल-V)	33
14.	डॉ. श्रीविद्या		
15.	डॉ. आर स्वर्णा		
16.	डॉ. एन अनुराधा	अटारी, क्रिडा	दैनिक प्रगति की निगरानी और डैशबोर्ड अद्यतन

आंध्र प्रदेश में श्री अन्न जागरूकता और संवर्धन के लिए विभिन्न केंद्रों के साथ मिलकर विकसित कृषि संकल्प अभियान

भाकृअनुप-बीसीटी कृविकें, रामबिल्ली

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के एक भाग के रूप में 2 जून 2025 को भाकृअनुप-बीसीटी कृविकें, रामबिल्ली के स्थानीय सहयोग से अनकापल्ली जिले के हरिपुरम गांव, रामबिल्ली मंडल में श्री अन्न जागरूकता शिविर का आयोजन किया और आंध्र प्रदेश के आदिवासी किउसं को निःशुल्क श्री अन्न के बीज वितरित किए। डॉ. रफी, किउसं-नेस्ट, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने डॉ. के शैलजा, वैज्ञानिक और प्रमुख, बीसीटी कृविकें के साथ किउसं के माध्यम से आदिवासी किसानों को 4.5 लाख रुपये मूल्य के 3.8 टन निःशुल्क लघु श्री अन्न बीज वितरित किए। डॉ. के शैलजा ने कंगनी, कुटकी और रागी की उन्नत खेती के तरीकों को साझा किया। श्री अन्न मूल्य संवर्धन के अवसरों तथा इसके लिए बाज़ार से जुड़ाव पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा, डॉ. रफ़ी ने किउसं निदेशकों के साथ बातचीत की एवं उन्हें बीज के उचित उपयोग हेतु मार्गदर्शन किया तथा समतुल्य अनुदान के सहयोग से प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करने की योजनाएं साझा कीं। इस अभियान में 7 किउसं के कुल 34 किसानों ने भाग लिया। डॉ. के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा, डॉ. रफ़ी, भाश्रीअनुसं और डॉ. के शैलजा, बीसीटी-कृविकें ने बैठक का आयोजन व समन्वय किया।

भाकृअनुप-कृविकें, बनवासी

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं), हैदराबाद ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के एक भाग के रूप में भाकृअनुप- बनवासी कृविकें (एएनजीआरएयू) के सहयोग से जनजातीय उप-परियोजना (टीएसपी) घटक के अंतर्गत **6 - 12** जून **2025** के दौरान बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के डॉ. संगप्पा और डॉ. डी रफी ने इस पहल का नेतृत्व किया और डॉ. के. राघवेंद्र, वैज्ञानिक एवं प्रमुख, भाकृअनुप-कृविकें बनवासी के सहयोग से, पट्टीकोंडा मंडल में सेवालाल जनजातीय किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) को निःशुल्क गुणतायुक्त श्री अन्न बीज वितरित किए। कुल **80** किसानों ने इसमें भाग लिया और कंगनी एवं बाजरे के बीज प्राप्त किए।

अल्लूरी सीताराम राजू और विजयनगरम जिलों में किउसं

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के एक भाग के रूप में 3 - 4 जून 2025 के दौरान आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू और विजयनगरम जिलों में आदिवासी किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) को निःशुल्क श्री अन्न के बीज वितरित किए। भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं की किउसं-नेस्ट इकाई के डॉ. रफी ने आंध्र प्रदेश में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित 7 किउसं का दौरा किया और आदिवासी किसानों तथा किउसं के वास्तविक अंशधारकों को श्री अन्न के बीज वितरित किए। बीज वितरण के दौरान उन्होंने आदिवासी किसानों के साथ बातचीत की और श्री अन्न की उन्नत खेती के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को उनके द्वारा बताई गई सावां और कोदो की खेती के तरीकों को अपनाने हेतु निर्देश दिए। किउसं के प्रतिनिधियों और किसानों ने डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, डॉ. के श्रीनिवास बाबू और डॉ. संगप्पा, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद को बीज उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद दिया।

स्वयं सहायता समूहों का एसआरएलएम प्रशिक्षण के भाग के रूप में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद दौरा

राग्राविपंरासं के प्रशिक्षार्थियों ने ज्ञानवर्धन प्रशिक्षणार्थ 12 जून 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पांडिचेरी, कर्नाटक व मध्य प्रदेश से कुल 35 स्वयं सहायता समूह प्रतिभागियों, क्लस्टर समन्वयकों एवं कार्यक्रम प्रबंधकों ने इस ज्ञानवर्धन दौरे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, डॉ. संगप्पा और डॉ. रफी, किउसं-नेस्ट, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने में श्री अन्न किउसं के अनुसंधान तथा विस्तार गतिविधियों और भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संस्थागत गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ. रफी ने प्रसंस्करण व सफाई हेतु श्री अन्न मशीनों की परिचालन प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। इस दौरे के दौरान प्रतिभागियों को श्री अन्न प्रसंस्करण, श्री अन्न किउसं और श्री अन्न के माध्यम से आय सृजन के अवसरों की कार्य-नीतियों पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। डॉ. संगप्पा, डॉ. रफी, सुश्री मेघना, किउसं-नेस्ट, भाश्रीअनुसं और श्री अब्दुल चाल, आरटीपी केंद्र, राग्राविपंरासं, हैदराबाद ने इस दौरे का समन्वय किया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षार्थियों का दौरा

राष्ट्रीय पौध संरक्षण केंद्र, कृषि विभाग, कृषि एवं पशुधन मंत्रालय, भूटान के छह अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के समूह ने 13 जून 2025 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। यह दौरा राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद द्वारा आयोजित 'जैविक नियंत्रण और पादप स्वास्थ्य कार्यनीतियों' पर चल रहे 30 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में आयोजित किया गया। डॉ. अमसिद्ध और डॉ. संगप्पा ने संस्थान द्वारा श्री अन्न

अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया, जिसमें स्थायी फसल संरक्षण, एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) और श्री अन्न की खेती में जैविक नियंत्रण उपायों पर विशेष बल दिया गया। इस दौरे के दौरान उन्हें भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में श्री अन्न में रासायनिक छिड़काव के बिना कीट तथा रोग चुनौतियों के प्रबंधन हेतु संचालित पारिस्थितिक दृष्टिकोण और पादप स्वास्थ्य कार्यनीतियों के संबंध बताया गया। डॉ. के श्रीनिवास बाबू ने श्र अन्न आधारित फसल प्रणालियों और मृदा स्वास्थ्य को समृद्ध करने के लिए जैविक कार्यों का महत्व बताया। डॉ. के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा, डॉ. अमासिद्ध और श्री साई प्रशांत ने इस दौरे का समन्वय किया।

श्री अन्न अध्ययन हेतु मलेशिया के प्रतिनिधियों का भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा

मलेशिया के कृषि और खाद्य सुरक्षा मंत्रालय के अंतर्गत मलेशियाई कृषि अनुसंधान और विकास संस्थान के तीन सदस्यीय वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने 25-26 जून 2025 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। यह दौरा अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास संगठन द्वारा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित एक अध्ययन कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य ज्वार तथा किनोआ पर विशेष ध्यान देने के साथ श्री अन्न अनुसंधान और विकास में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना था। दो दिवसीय दौरे के दौरान डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और डॉ. स्टेनली, डॉ. संगप्पा एवं डॉ. अमसिद्ध - वैज्ञानिकों के नेतृत्व में कार्यक्रम में कई तकनीकी सत्र और परस्पर चर्चाएं शामिल थीं। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने "श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र" का अवलोकन किया। डॉ. संगप्पा और डॉ. रफ़ी ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की श्री अन्न प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई में श्री अन्न के प्राथमिक प्रसंस्करण पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया तथा श्री अन्न को बढ़ावा प्रदान के लिए किसान समूहों (किउसं) के महत्व पर प्रकाश डाला। मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल ने विशेषकर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, मूल्य श्रृंखला विकास और मलेशिया में श्री अन्न को बढ़ावा देने हेतु नीतिगत समर्थन जैसे क्षेत्रों में भावी सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की।

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के एससीएसपी घटक के अंतर्गत एससी किसानों को निःशुल्क आगत वितरण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के अनुसूचित जाति उप परियोजना (एससीएसपी) घटक के अंतर्गत 24 - 29 जून 2025 के दौरान प्रेमा साई नवकिसान बागवानी और कृषि एफपीएमएसीएस लिमिटेड, एस कोटा रैतु भारत किउसं, थंडवा वैली बागवानी और कृषि किसान उत्पादक पारस्परिक सहायता प्राप्त सहकारी समिति लिमिटेड, लंबसिंगी जनजातीय उत्पाद किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड के (एससी) अनुसूचित जाति किसानों को निःशुल्क तिरपाल एवं श्री अन्न के बीज वितरित किए। इन तिरपालों के पीछे उद्देश्य फसल कटाई उपरांत संचालन के दौरान एससी किसान लाभार्थियों का समर्थन तथा कटे हुए अनाज की रक्षा है। एससी लाभार्थियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पिछड़े समुदायों को समर्थन देने के लिए भाश्रीअनुसं के प्रयासों की सराहना की। डॉ. संगप्पा और किउसं नेस्ट दल, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन एवं समन्वय किया गया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में विश्व पर्यावरण दिवस-2025 समारोह

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद परिसर में डब्ल्यूईडी-2025 थीम "वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करना" के अंतर्गत स्वच्छता गतिविधि

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 31 मई 2025 को प्रायोगिक प्रक्षेत्रों और कार्यालय परिसर में एक जागरूकता कार्यक्रम और प्लास्टिक स्वच्छता गतिविधि का आयोजन किया। संस्थान के कार्मिकों एवं कृषि श्रमिकों ने प्लास्टिक की वस्तुओं के संग्रहण और उचित निपटान में सक्रिय रूप से भाग लिया। कृषि श्रमिकों को स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें दैनिक जीवन में एकल-उपयोग प्लास्टिक का उपयोग बंद करने की सलाह दी गई।

भाश्रीअनुसं में कर्मचारियों द्वारा 'एकल उपयोग प्लास्टिक प्रदूषण' पर जागरूकता कार्यक्रम और वृक्षारोपण अभियान

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 हेतु वैश्विक थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण को वैश्विक स्तर पर समाप्त करना' के अंतर्गत 5

जून, 2025 को भाश्रीअनुसं परिसर में 'एकल उपयोग प्लास्टिक प्रदूषण' पर एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन करके पर्यावरण प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी। डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रभारी निदेशक ने जागरूकता सत्र के दौरान संस्थान के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए दिनचर्या से एकल-उपयोग प्लास्टिक का उपयोग कम करने और अंततः समाप्त करने के लिए व्यक्तिगत कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों से एक स्वस्थ एवं स्वच्छ पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण को एक व्यक्तिगत दायित्व मानने का आग्रह किया। जागरूकता सत्र के साथ-साथ एक व्यावहारिक वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिसने संगठन के सभी स्तर के कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से योगदान करने का अवसर प्रदान किया। इस संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के मार्गदर्शन में डॉ. बी अमसिद्ध, डॉ. संगप्पा और श्री जे भगवंतम द्वारा किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 25 जून, 2025 को संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की 73वीं बैठक आयोजित की गई। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के द्वारा औपचारिक रूप से स्वागत संबोधन के बाद बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में डॉ. ए कलैसेकर, प्रभारी-सूचना प्रौद्योगिकी, डॉ. जिनु जेकब, प्रभारी अधिकारी-हिंदी कक्ष, डॉ. सूगण्ण, प्रभारी अधिकारी - पुस्तकालय, श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री शेख रुकमान,

वित्त एवं लेखा अधिकारी, श्री पेरूमला शिवप्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी (सदस्य) तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी - राजभाषा (सदस्य-सचिव) चर्चा के दौरान उपस्थित थे। बैठक के दौरान सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा निर्णय लिए गए कि राजभाषा विभाग को अप्रैल, 2025 से नए प्रपत्र में रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जा सकता है तथा हिंदी टंकण पर भी कार्यशाला का आयोजन किया जाए। इसके अलावा संस्थान के अधीनस्थ केंद्रों में भी राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाए। डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात बैठक का समापन हुआ।

पदोन्नति

डॉ. जिनु जैकब, वैज्ञानिक को 01.01.2023 से वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि जैव प्रौद्योगिकी) के पद पर पदोन्नत किया गया है। *उन्हें श्री अन्न परिवार की ओर से हार्दिक बधाई !*

जून 2025 में आयोजित प्रशिक्षण

क्र. सं.	प्रशिक्षण का शीर्षक	तिथि	अवधि (दिनों में)	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिभागियों की श्रेणी
1	श्री अन्न पर किसानों का उन्मुखीकरण	3 जून, 2025	1	50	किसान प्रथम परियोजना के परीक्षण किसान
2	अंगुल, ओडिशा के किसानों हेतु "श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन" पर ज्ञानवर्धन दौरा सह प्रशिक्षण	10 - 13 जून 2025	4 दिन	27	किसान, किउसं, एसएचजी, एनजीओ
3	रायगढ़ , ओडिशा के किसानों के लिए "श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन" पर ज्ञानवर्धन दौरा सह प्रशिक्षण	17 - 20 जून 2025	4 दिन	27	किसान, किउसं, एसएचजी, एनजीओ
4	सुंदरगढ़, ओडिशा के किसानों के लिए "श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन" पर ज्ञानवर्धन दौरा सह प्रशिक्षण	24 - 27 जून 2025	4 दिन	27	किसान, किउसं, एसएचजी, एनजीओ, कृषि अधिकारी
5	"नवोद्यम उज्जवलन - श्री अन्न प्रसंस्करण क्षेत्र में उभरते व्यावसायिक अवसर"	23.06.2025	1	42	उद्यमी
6	"नवोद्यम उज्जवलन - श्री अन्न प्रसंस्करण क्षेत्र में उभरते व्यावसायिक अवसर"	24.06.2025	1	45	उद्यमी
7	"श्री अन्न पकवान" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	26.06.2025	1	21	घरेलू महिलाएं और उद्यमी
8	"नवोद्यम उज्जवलन - श्री अन्न प्रसंस्करण क्षेत्र में उभरते व्यावसायिक अवसर"	27.06.2025	1	29	उद्यमी
9	जी मदुगुला ब्लॉक के गदुथुरु गांव में श्री मत्स्य देवता किउसं की महिला सदस्यों के लिए श्री अन्न मूल्यवर्धन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण	28.06.2025	1	44	महिला उद्यमी
10	केरल के कृषि अधिकारियों के लिए श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण	30.06.2025 – 02.07.2025	3	16	केरल सरकार के अधिकारी (कृषि अधिकारी)

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

समझौते की तिथि	उद्देश्य	सहयोगी संगठन	समझौते का छायाचित्र
10.06.2025	छात्रों का शोध	खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, वीएनएमकेवी, परभणी, महाराष्ट्र	-
11.06.2025	सहयोगात्मक अनुसंधान	अनुसंधान एवं नवाचार मंडल (RICH), हैदराबाद, तेलंगाना	
23.06.2025	सहयोगात्मक अनुसंधान	एचपीसीएल बायोफ्यूल लिमिटेड, पटना, बिहार	

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

कार्मिक का नाम	बैठक/कार्यशाला आदि का शीर्षक (लेख प्रस्तुती की स्थिति में, लेख का शीर्षक)	आयोजक	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	इको इम्पैक्ट क्लाइमेट लीडरशिप और कार्बन फाइनेंस पर वेबिनार	मैनेज, हैदराबाद	ऑनलाइन	04.06.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (नास) के स्थापना दिवस एवं वार्षिक आम सभा की बैठक। नास के नवनिर्वाचित फेलो के रूप में "उपज एवं गुणता हेतु बाजरे के आनुवंशिक सुधार" विषय पर प्रस्तुति	नास, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	04.06.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	नास की वार्षिक आम सभा की बैठक और एनएएससी, नई दिल्ली में प्रो. एमएस स्वामीनाथन स्थापना दिवस व्याख्यान 2025	नास, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	05.06.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	जापान के दूतावास, नई दिल्ली में जापान-भारत विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार विनिमय वर्ष मनाने हेतु जापान के अंतरिम प्रभारी द्वारा भारत में आमंत्रित स्वागत समारोह	जापान दूतावास, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	05.06.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	एचपीसीएल, मुंबई में मीठी ज्वार पर एक सहयोगी परियोजना के लिए एचपीसीएल, मुंबई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	एचपीसीएल, मुंबई	प्रत्यक्ष	12.06.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	फार्म फॉरवर्ड: सर्कुलर एग्रीकल्चर फॉर क्लाइमेट एक्शन विषय पर वेबिनार	मैनेज, हैदराबाद	ऑनलाइन	13.06.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	एचपीसीएल, मुंबई के अधिकारियों के साथ बैठक तथा एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड, मुंबई	प्रत्यक्ष	23.06.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार की 19 वीं अनुसंधान परिषद की बैठक, खरीफ 2025 में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में सहभागिता	डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर , बिहार	प्रत्यक्ष	26-27 जून 2025

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053 दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा

डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)

राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, ज़ेल्गी,

सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)

दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456

ई-मेल : solapur@millets.res.in वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)

प्रभारी अधिकारी,

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस

(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)

गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान

ई-मेल : barmer@millets.res.in